मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–007

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एस.के.-007 : साहित्यशास्त्र : काव्यप्रकाश, ध्वन्यालोक और दशरूपक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों मे दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* **चार** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

$4 \times 15 = 60$

1. काव्यप्रकाश के अनुसार काव्य-प्रयोजनों की व्याख्या कीजिए।

2. शब्दार्थ-स्वरूप और तात्पर्यार्थ की विवेचना कीजिए।

3. अभिहितन्वयवाद के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. शब्द-शक्ति से आप क्या समझते हैं ? लक्षणा-शक्ति का वर्णन कीजिए।

5. वाक्यगत दोषों का समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।

6. काव्य में गुणों का क्या स्थान है ? वर्णन कीजिए।

7. अलंकार को परिभाषित करते हुए वक्रोक्ति का सोदाहरण सभेद वर्णन कीजिए।

8. आनन्दवर्धन के व्यक्तित्व और कर्तृत्व का उल्लेख कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

$4 \times 10 = 40$

1. मम्मट प्रतिपादित काव्य-लक्षण की समीक्षा कीजिए।

2. काव्यहेतुओं का वर्णन कीजिए।

3. ध्वनिकार के मत से ध्वनि के लक्षण का निरूपण कीजिए।

4. प्रतीयमान अर्थ का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

5. अर्थ प्रकृतियों पर टिप्पणी लिखिए।

6. कार्य की अवस्थाओं का वर्णन कीजिए। 'दशरूपक' में बतायी गयी कार्यावस्थाएँ कौन सी हैं ?

7. नायक के लक्षण का विश्लेषणात्मक वर्णन कीजिए।

8. रूपक के भेदों में नाटक का वर्णन कीजिए। सिद्ध कीजिए कि नाटक ख्यातवृत्त होता है।